AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

सम्मेलन

बिहार के राज्यपाल ने ज्ञान और विज्ञान के साथ संतुलन को बताया जरूरी

किसी का दिल जीतना काबा जाने के बराबर : आरिफ मोहम्मद

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि किसी का दिल जीतना हजार बार काबा जाने के बराबर है। यही भारत की परंपरा, सभ्यता और धरोहर है। वह लखनऊ के रसायन विज्ञान में आयोजित 30वें इंडियन सोसाइटी ऑफ केमिस्ट एंड बायोलॉजिस्ट सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे।

समापन सत्र में बिहार के राज्यपाल ने शास्त्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि ज्ञान-विज्ञान सहितम् यानी ज्ञान और विज्ञान का साथ व संतुलन आवश्यक है। उन्होंने ऋग्वेद के श्लोक आत्मनो मोक्षार्थं जगत हिताय च के जरिये स्वामी विवेकानंद को याद किया। बताया कि वह हमेशा यह श्लोक बोला करते थे। जिसका अर्थ है- स्वयं के मोक्ष के लिए और संसार के कल्याण के लिए।

सम्मेलन का दीप जलाकर शुभारंभ करते बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद। - अमर उजाला

लविवि में 30वें आईएससीबी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

सम्मेलन में आईएससीबी अध्यक्ष प्रो. अनामिक शाह ने आईएससीबी रिसर्च फाउंडेशन का उद्घाटन किया। इससे पहले आईआईटी बॉम्बे के पूर्व प्रोफेसर अनिल के सिंह ने कार्बन मोनो ऑक्साइड को मेथनॉल आधारित ईंधन और प्लेटफॉर्म केमिकल्स में बदलने पर बात की। बायोसेंसर्स और दवा विकास पर भी कई व्याख्यान प्रस्तुत किए गए।

प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, रसायन विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा, आईएससीबी महासचिव डॉ. पीएमएस चौहान समेत कई संकायों और विभागों के डीन, निदेशक और विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

लविवि परिसर का किया पैदल भ्रमण

सम्मेलन के समापन के बाद राज्यपाल ने लविवि के मालवीय सभागार से रसायन विज्ञान विभाग की ओर पैदल भ्रमण किया। उन्होंने विभाग के मल्टीएक्टिविटी रूम में वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ दोपहर का भोजन भी किया।

■ आईएससीबी पुरस्कार से सम्मानित हुए कई शिक्षाविद्

समापन सत्र में कई श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। इसमें आईएससीबी विशिष्ट अनुसंधान पुरस्कार से प्रो. आलम नूर, ई. कमाल, डॉ. किरिश और डॉ. केजे अनोया को नवाजा गया। इसी तरह डॉ. केशव देव, प्रो. महेश शर्मा और रवि अग्रवाल को आईएससीबी उद्योगों में उत्कृष्टता पुरस्कार मिला, जबकि सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार तुषार रंजन पांडा, शुमैला नफीस, दीपक कुमार और सुरभि उपाध्याय को प्राप्त हुआ।

लविवि ने पीएचडी के तीन और विषयों का परिणाम किया जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के क्रम में बुधवार को तीन विषयों का अंतिम परिणाम जारी कर दिया। प्रवेश समन्वयक डॉ. अनित्य गौरव ने बताया कि फिजिक्स, फाइन आर्ट्स और हिंदी के परिणाम जारी किए गए हैं। चयनित अभ्यर्थियों को एक फरवरी तक फीस जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। (संवाद)

बीफॉर्मा व बीएजेएमसी का रिजल्ट घोषित

लखनऊ। लविवि के परीक्षा विभाग ने विषम सेमेस्टर परीक्षा के क्रम में दो विषयों का परिणाम जारी कर दिया है। इसमें बीएजेएमसी और बीफॉर्मा पांचवें सेमेस्टर के परिणाम शामिल है। विद्यार्थी विवि की वेबसाइट पर विस्तृत परिणाम देख सकते हैं। किसी तरह की समस्या आने पर परीक्षा विभाग में संपर्क कर सकते हैं। (संवाद)

लविवि : एनआईआरएफ के लिए पांच श्रेणियों में आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) के लिए इस बार पांच श्रेणियों में आवेदन किया है। बीते वर्ष विवि ने इस रैंकिंग में देश भर 100 प्रमुख संस्थानों में अपनी जगह बनाई थी। इस बार आवेदन करने वाली श्रेणियों में ओवरआल विश्वविद्यालय, लॉ, मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग और सस्टेनेबिलिटी डेवलपमेंट गोल कैटेगरी शामिल है। अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने लविवि में विवि का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

भारतीय सभ्यता सबसे प्राचीन और ज्ञान को सर्वोच्च सम्मान देने वाली : आरिफ

सम्मेलन

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग की ओर से तीन दिवसीय 30वें इंडियन सोसाइटी ऑफ केमिस्ट एंड बायोलॉजिस्ट (आईएससीबी) 2025 के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। मालवीय सभागार में आयोजित समापन सत्र के मुख्य अतिथि बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान रहे। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन और ज्ञान को सर्वोच्च स्थान देने वाली सभ्यता है। इसके पीछे उन्होंने शास्त्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि ज्ञान-विज्ञान सहितम् यानी ज्ञान और विज्ञान का संतुलन आवश्यक है।

राज्यपाल ने कहा कि एक हृदय को जीतना, हजार बार काबा जाने से अधिक महान कार्य है। उन्होंने ऋग्वेद के एक श्लोक आत्मनो मोक्षार्थं जगत हिताय च के जरिए स्वामी विवेकानंद को याद किया। बताया कि वह हमेशा यह श्लोक बोला करते थे। जिसका अर्थ है स्वयं के मोक्ष के लिए और संसार के कल्याण के लिए। कहा कि ज्ञान की खोज ही जीवन का अंतिम उद्देश्य है।

एलयू में 30वें आईएससीबी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का बुधवार को समापन हुआ। इस मौके पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान मुख्य अतिथि रहे।

बायोसेंसर्स और दवा विकास पर कई व्याख्यान

एलयू में हुए आयोजन में आईएससीबी अध्यक्ष प्रो. अनामिक शाह ने आईएससीबी रिसर्च फाउंडेशन का उद्घाटन किया। वहीं इससे पहले मुख्य व्याख्यान आईआईटी बॉम्बे के पूर्व प्रोफेसर अनिल के. सिंह ने सस्टेनेबल केमिकल डेवलपमेंट पर दिया। उन्होंने कार्बन मोनो ऑक्साइड को मेथनॉल आधारित ईंधन और प्लेटफॉर्म केमिकल्स में बदलने पर बात की। इसके अलावा बायोसेंसर्स और दवा विकास पर भी कई व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। वर्तमान समय में इनका उपयोग और महत्व बताया गया। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, रसायन विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा, आईएससीबी महासचिव डॉ. पीएमएस चौहान समेत कई संकायों और विभागों के डीन, निदेशक और विभागाध्यक्ष समेत अन्य उपस्थित रहे।

समापन सत्र में सम्मानित किए गए शिक्षाविद

समापन सत्र में कई श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। इसमें आईएससीबी विशिष्ट अनुसंधान पुरस्कार से प्रो. आलम नूर, ई. कमाल, डॉ. किरिश और डॉ. केजे अनोया को नवाजा गया। इसी तरह डॉ. केशव देव, प्रो. महेश शर्मा और रवि अग्रवाल को आईएससीबी उद्योगों में उत्कृष्टता पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार तुषार रंजन पांडा, शुमैला नफीस, दीपक कुमार और सुरभि उपाध्याय को प्राप्त हुआ।

राज्यपाल ने विवि परिसर का पैदल भ्रमण किया

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने विवि परिसर के एक हिस्से का पैदल भ्रमण किया। वह मालवीय सभागार से पैदल रसायन विज्ञान विभाग की ओर चले और परिसर के दृश्यों का आनंद लिया। उन्होंने विभाग के मल्टी एक्टिविटी रूम में वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ दोपहर का भोजन भी किया।

एलयू में पीएचडी के तीन विषयों का रिजल्ट घोषित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के तहत तीन विषयों का साक्षात्कार के बाद परिणाम जारी कर दिया गया है। चयनित अभ्यर्थियों के लिए फीस पोर्टल गुरुवार को खोल दिया जाएगा। जिससे वह अपनी फीस जमा कर सकेंगे। एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर कंप्लीट मेरिट सूची भी जारी कर दी गई है।

JAGRAN CITY PAGE III

'ज्ञान और विज्ञान का संतुलन आवश्यक'

जागरण संवाददाता ● लखनऊ: बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा है कि ज्ञान की खोज ही जीवन का अंतिम उद्देश्य है। भारतीय संस्कृति में इसका उल्लेख है कि ज्ञान-विज्ञान सहितम् यानी ज्ञान और विज्ञान का संतुलन आवश्यक है। स्वामी विवेकानंद ने भी कहा है 'आत्मनो मोक्षार्थं जगत हिताय च', यानी स्वयं के मोक्ष और संसार के कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए। बुधवार को आरिफ मोहम्मद खान लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में 30वें भारतीय रसायनज्ञ और जीवविज्ञानी सोसाइटी-(आइएससीबी) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि एक हृदय को जीतना, हजार बार काबा जाने से अधिक महान कार्य है। उन्होंने प्रतिभागियों को दूसरों के कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। लखनऊ का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह शहर हमेशा अपनी संस्कृति और गर्मजोशी के लिए प्रसिद्ध रहा है। उन्होंने विज्ञान व नवाचार के क्षेत्र में इस प्रकार के सम्मेलनों को महत्वपूर्ण बताया बतते हुए कहा कि ऐसे संवाद नए विचारों को जन्म देते हैं। शोधकर्ताओं को एक साथ लाने का कार्य भी करते हैं। समारोह के तकनीकी सत्र में आइआइटी बांबे के प्रो. अनिल के सिंह ने सस्टेनेबल केमिकल डेवलपमेंट के विषय में बताया। इसमें उन्होंने मेथनाल अर्थव्यवस्था और फोटोएक्टिव माइक्रोबियल बायो-फैक्ट्री जैसी तकनीकों पर चर्चा की। अन्य 11 आमंत्रित व्याख्यान और तीन मौखिक प्रस्तुतियां भी हुईं, जिनमें दवा विकास पर विशेष जोर दिया गया। रसायन विभाग के प्रमुख प्रो. अनिल मिश्रा ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। रिसर्च फाउंडेशन का उद्घाटन प्रो. अनामिक शाह ने किया। समारोह में विशिष्ट अनुसंधान पुरस्कार प्रो. आलम नूर ई कमाल, डा. किरिश, डा. केजे अनोया को मिला। उद्योगों में उत्कृष्टता पुरस्कार डा. केशव देव, प्रो. महेश शर्मा, रवि अग्रवाल को मिला। सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार तुषार रंजन पांडा, शुमैला नफीस, दीपक कुमार, सुरभि उपाध्याय को दिया गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में आइएससीबी सम्मेलन के समापन पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने वैज्ञानिकों को पुरस्कृत किया ● जागरण

AMRIT VICHAR PAGE 2

हृदय जीत लेना, हजार बार काबा जाने से अच्छा : आरिफ मोहम्मद

लविवि में आयोजित वैज्ञानिकों के सम्मेलन में बोले बिहार के राज्यपाल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति स पंडितः जो मनुष्य सभी प्राणियों में खुद को देखता है, वही पंडित है, वहीं विद्वान है। गीता में कहा गया है कि आत्मा का सभी प्राणियों में विस्तार ही ज्ञान है। अरबी शायरी में कहा गया है कि हृदय जीत लेना हजार बार काबा जाने से अच्छा है।

उक्त बातें बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित वैज्ञानिकों के सम्मेलन के समापन के अवसर पर कहीं। राज्यपाल ने कहा, ज्ञान-विज्ञान सहितम् अर्थात ज्ञान और विज्ञान का संतुलन आवश्यक है। अपने संबोधन के अंत में स्वामी विवेकानंद की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आत्मनो मोक्षार्थं जगत हिताय च यानी स्वयं के मोक्ष के लिए और संसार के कल्याण के लिए ही ज्ञान होना चाहिए।

सम्मेलन को संबोधित करते राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान।

पैदल ही चल पड़े राज्यपाल

राज्यपाल ने अपनी गाड़ियों और सुरक्षा व्यवस्था को पीछे छोड़कर पैदल ही विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। एक अधिकारी ने जब गाड़ी में बैठने का आग्रह किया तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, पैदल चलकर ज्यादा अच्छे से देख सकता हूं। वह रसायन शास्त्र विभाग गए और सभी शिक्षकों व कर्मचारियों सहित छात्रों से भी बातचीत की।

इन्हें दिया गया पुरस्कार

विशिष्ट अनुसंधान पुरस्कार : प्रो. आलम नूर, ई. कमाल, डॉ. किरिश, डॉ. के. जे. अनोया

उद्योगों में उत्कृष्टता पुरस्कार : डॉ. केशव देव, प्रो. महेश शर्मा, रवि अग्रवाल

सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार : तुषार रंजन पांडा, शुमैला नफीस, दीपक कुमार, सुरभि उपाध्याय

आईएससीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

30वें आईएससीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अंतिम दिन आईआईटी मुंबई के पूर्व प्रोफेसर प्रो. अनिल के. सिंह द्वारा सस्टेनेबल केमिकल डेवलपमेंट पर जीवाश्म ईंधनों पर अत्याधिक निर्भरता और पेट्रो केमिकल्स में ठहराव से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने मेथनॉल के बारे में बताया और कार्बन डाई आक्साइड को मेथनॉल-आधारित ईंधन और प्लेटफॉर्म केमिकल्स में बदलने पर चर्चा की। रेटिनल-बाइंडिंग फोटो-रिसेप्टर प्रोटीन पर आधारित फोटो एक्टिव आणविक प्लेटफॉर्म पर शोध प्रस्तुत किया गया। जो बायोसेंसर, बायो इलेक्ट्रॉनिक्स और चिकित्सा उपकरणों में उपयोगी साबित हो सकते हैं। अंत में उभरती तकनीकी और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप समग्र शिक्षा और अनुसंधान के महत्व पर बल दिया गया। रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के विविध विषयों पर विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं द्वारा 11 आमंत्रित व्याख्यान और 3 मौखिक प्रस्तुतियां दी गईं। जो विशेष रूप से दवा निर्माण पर केंद्रित थीं।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

विश्व की सबसे प्राचीन भारतीय सभ्यता है : राज्यपाल

तीन दिवसीय 30वां आईएससीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय 30वें आईएससीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2025 के अंतिम दिन की शुरुआत विचारोत्तेजक व्याख्यानों के साथ हुई। इस सम्मेलन में आईआईटी बॉम्बे के पूर्व प्रोफेसर अनिल के.सिंह द्वारा सस्टेनेबल केमिकल डेवलपमेंट पर एक मुख्य व्याख्यान दिया गया। उन्होंने जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता और पेट्रोकेमिकल्स में ठहराव से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। जिससे वैकल्पिक रणनीतियों की आवश्यकता पर जोर दिया गया। चर्चा की गई प्रमुख रणनीतियों में मेथनॉल अर्थव्यवस्था शामिल थी,जिसका उद्देश्य सीओ 2 को मेथनॉल-आधारित ईंधन और प्लेटफॉर्म केमिकल्स में बदलना है। इसके बाद, फोटोएक्टिव कोर-शेल क्वांटम डॉट्स-आधारित

माइक्रोबियल बायो-फैक्टरी विकसित करने पर चर्चा की गई, जिससे पर्यावरण के अनुकूल बायोफ्यूल और रसायनों का उत्पादन किया जा सके। बायो-प्रिविलेज्ड अणुओं (बीएमएस) का उपयोग भी एक स्थायी विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे विभिन्न रासायनिक उत्पाद बनाए जा सकते हैं। इसके अलावा, रेटिनल-बाइंडिंग फोटो-रिसेप्टर प्रोटीन पर आधारित फोटो एक्टिव आणविक प्लेटफॉर्म पर शोध प्रस्तुत किया गया, जो बायोसेंसर, बायोइलेक्ट्रॉनिक्स और चिकित्सा उपकरणों में उपयोगी साबित हो सकते हैं। व्याख्यान के अंत में,उभरती तकनीकी और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप समग्र शिक्षा और अनुसंधान के महत्व पर बल दिया गया। इसके अलावा,सम्मेलन में रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान के विविध विषयों पर विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं द्वारा 11 आमंत्रित व्याख्यान और तीन मौखिक प्रस्तुतियां दी गईं, जो विशेष रूप से दवा विकास पर केंद्रित थीं। लविवि के ऐतिहासिक मालवीय सभागार में आयोजित समापन सत्र में मुख्य अतिथि, अरिफ मोहम्मद खान, राज्यपाल, बिहार मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान और कुलगीत से हुई। राज्यपाल अरिफ मोहम्मद खान ने लखनऊ की अवधी मेहमान नवाज़ी की सराहना की। उन्होंने कहा, सम्मेलन नए विचारों और संवादों के लिए मंच प्रदान करते हैं और सभी को सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा, अगर उन्हें वैज्ञानिक सत्रों में भाग लेने का आमंत्रण मिलता,तो उन्हें और अधिक प्रसन्नता होती, क्योंकि वे नई चीजें सीखने के लिए हमेशा उत्सुक रहते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन और ज्ञान को सर्वोच्च स्थान देने वाली सभ्यता है। इसके बाद आरिफ मोहम्मद खान पैदल चलते हुआ रसायन विज्ञान विभाग की ओर चले और परिसर के दृश्यों का आनंद लिया।

इन्हें मिला पुरस्कार

सम्मेलन में आईएससीबी विशिष्ट अनुसंधान पुरस्कार प्रो.आलम नूर ई.कमाल,डॉ.किरिश और डॉ.केजे अनोया को दिया गया। वहीं, उद्योगों में उत्कृष्टता पुरस्कार डॉ.केशव देव, प्रो.महेश शर्मा और रवि अग्रवाल को दिया गया। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार तुषार रंजन पांडा, शुमैला नफीस, दीपक कुमार और सुरभि उपाध्याय को मिला।

NBT PAGE 4

न्यूक्लियर रेडिएशन से बचाने वाली दवा भारत में भी बन रही

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ:** न्यूक्लियर अटैक या रेडिएशन से प्रभावित होने पर दी जाने वाली दवा अब भारत में भी बनना शुरू हो गई है। डीआरडीओ और वीएसएफ के जवानों को यह दवा दी गई है। जिसे इमरजेंसी में इस्तेमाल के लिए रखा गया है। वहीं रेडियोथेरेपी से जुड़े टेक्निशन और डॉक्टरों के लिए भी यह दवा कारगर है। ये बातें हैदराबाद के वैज्ञानिक डॉ. केशव देव ने कहीं।

इंडियन सोसायटी ऑफ केमिस्ट ऐंड बायॉलजिस्ट की ओर से एलयू में करवाई गई कॉन्फ्रेंस

इंडियन सोसायटी ऑफ केमिस्ट ऐंड बायॉलजिस्ट व एलयू के केमिस्ट्री विभाग की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस (ISCBC 2025) का बुधवार को समापन हो गया। मौके पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि इस तरह के आयोजन जरूर होने चाहिए। एलयू के केमिस्ट्री विभाग के हेड प्रो. अनिल मिश्रा ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान में अब तकनीक का जोर है। अब शोध भी बेहतर हो रहे हैं।

यह हुए सम्मानित:

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के दौरान विशिष्ट शोध के लिए प्रो. आलम नूर ई. कमाल, डॉ. किरिश, डॉ. केजे. अनोया को सम्मानित किया गया। वहीं उद्योगों में शानदार काम के लिए डॉ. केशव देव, प्रो. महेश शर्मा, रवि अग्रवाल को उत्कृष्टता पुरस्कार और तुषार रंजन पांडा, शुमैला नफीस, दीपक कुमार और सुरभि उपाध्याय को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार दिया गया।

TOI PAGE 3

Scientists from US, UK and SL felicitated at LU

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The valedictory session of the Indian society of chemists and biologists international conference was held at the Malviya Sabhagar Hall in Lucknow University on Wednesday. The ISCB Distinguished Prize for Research was awarded to Alam Nur-E-Kamal, professor of Medgar Evers College, City University of New York, US; K G Anoja P Attanayake, professor of University of Ruhuna, Sri Lanka and Dipak P Ramji, professor of Cardiff University, UK, for contribution to scientific research.

The ISCB Award for Excellence in Industry was conferred on Lifeactivus Private Limited, India, Plants Med Laboratories Private Limited, India, Renith Catalyst Private Limited, India and Smart Conference Private Limited & Webgrade Technologies Private Limited, India.

The Best Poster Award was given to students Tushar Ranjan Panda, Shumaila Nafees,Deepak Kumar, and Surabhi Upadhyaya. Governor of Bihar, Arif Mohammed Khan was also present on the occasion.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

एक हृदय को जीतना, हजार बार काबा जाने से अधिक महान कार्य : आरिफ मो. खान

30वें आईएससीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी 2025) का हुआ समापन

● प्रो. अनामिक शाह ने आईएससीबी रिसर्च फाउंडेशन का किया उद्घाटन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में बुधवार को 30वें आईएससीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी 2025) के तीसरे और अंतिम दिन समापन सत्र आयोजित हुआ। इसमें बतौर मुख्य अतिथि बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान मौजूद रहे। यहां पर मुख्य अतिथियों को प्रो. अनामिक शाह ने स्मृति चिह्न भेंट किये, जिन्होंने राज्यपाल का धन्यवाद व्यक्त किया। इसी अवसर पर प्रो. शाह ने आईएससीबी रिसर्च फाउंडेशन का उद्घाटन किया।

अपने उद्बोधन में राज्यपाल अरिफ मोहम्मद खान ने सभी को शुभकामनाएं दीं और लखनऊ की अवधी मेहमान नवाजी की सराहना की। उन्होंने कहा कि सम्मेलन नये विचारों और संवादों के लिए मंच प्रदान करते हैं और सभी को सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें वैज्ञानिक सत्रों में भाग लेने का आमंत्रण मिलता, तो उन्हें और अधिक प्रसन्नता होती, क्योंकि वे नई चीजें सीखने के लिए हमेशा उत्सुक रहते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन और ज्ञान को सर्वोच्च स्थान देने वाली सभ्यता है। शास्त्रों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञान-विज्ञान सहितम् (ज्ञान और विज्ञान का संतुलन आवश्यक है)। एक प्रेरणादायक वक्तव्य में उन्होंने कहा कि एक हृदय को जीतना, हजार बार काबा जाने से अधिक महान कार्य है।

उन्होंने यह भी कहा कि ज्ञान की खोज ही जीवन का अंतिम उद्देश्य है और अपने भाषण के अंत में स्वामी विवेकानंद को उद्धृत करते हुए कहा कि आत्मनो मोक्षार्थं जगत हिताय च (स्वयं के मोक्ष के लिए और संसार के कल्याण के लिए)। उन्होंने सभी को दूसरों के कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी, यह कहते हुए कि अन्य व्यक्ति केवल हमारा ही विस्तार हैं। रसायन विभाग के प्रमुख प्रो. अनिल मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और सम्मेलन में योगदान देने वाले सभी गणमान्य व्यक्तियों, वक्ताओं और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। सम्मेलन के अंतिम दिन, आई आई टी बॉम्बे के पूर्व प्रोफेसर प्रो. अनिल के. सिंह द्वारा सस्टेनेबल केमिकल डेवलपमेंट पर एक मुख्य व्याख्यान दिया गया। उन्होंने जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता और पेट्रोकेमिकल्स में ठहराव से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। अंत में उभरती तकनीकी और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप समग्र शिक्षा और अनुसंधान के महत्व पर बल दिया गया। इसके अलावा सम्मेलन में रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के विविध विषयों पर विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं ने 11 आमंत्रित व्याख्यान और तीन मौखिक प्रस्तुतियां दीं, जो विशेष रूप से दवा विकास पर केंद्रित थीं। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और सम्मेलन की सफलता पर आयोजकों को बधाई दी।